राम के नहीं हो तो नहीं हो किसी काम के

देखे न उदास कभी दास जिस नाम के।
बोलते मिले हैं बोलबाले उसी राम के।।
राम के रहोगे तो रहोगे प्यारे काम के।
राम के नहीं हो तो नहीं हो किसी काम के।।

नव्यता कहीं जो देखनी हो देखो राम को।
सभ्यता कहीं जो देखनी हो देखो राम को।।
दिव्यता कहीं जो देखनी हो देखो राम को।
भव्यता कहीं जो देखनी हो देखो राम को।।

दुनिया में जितने भी काम हैं मुकाम के।
सोचो सारे काम हैं हमारे राजाराम के।।
करने हैं काम अविराम सीताराम के।
पाने परिणाम बिना सोचे परिणाम के।।
राम के रहोगे तो रहोगे प्यारे काम के।।
राम के नहीं हो तो नहीं हो किसी काम के।।

धर्म भी पवित्र और कर्म भी पवित्र है।
शत्रुओं का मित्र है तो मित्र का भी मित्र है।।
लगता विचित्र किन्तु सच में विचित्र है।
राम का चरित्र हिन्दुस्तान का चरित्र है।।

कोट के निवासी हो या वासी गली-ग्राम के।
हिन्द के सपूत आप लाल हो ललाम के।।
हो डटे अकेले या कि साथ टीम - टाम के।
करते रहो सुकाम साथी आठों याम के।।
राम के रहोगे तो रहोगे प्यारे काम के।।

राम के नहीं हो तो नहीं हो किसी काम के।।

गर्व से नहीं विनम्र होके बोलो राम-राम।
मैं भी कहूँ राम-राम तुम भी कहो राम-राम।।
बार - बार बोलियेगा राम-राम राम-राम।
राम-राम राम-राम राम-राम राम-राम ।।

आओ चाहे चक्कर लगा के चारों धाम के।
चाहे चारों ओर चारों छोर घूम-घाम के।।
राम से मिलेंगे भाव राम के पयाम के।
चाहे तुम नवाब हो गुलाम हो गुलाम के।।
राम के रहोगे तो रहोगे प्यारे काम के।।
राम के नहीं हो तो नहीं हो किसी काम के।।

धर्म ध्वजाधारी शाकाहारी विद्यमान हैं।
सूर्य के समान दीप्तचारी भासमान हैं।।
शिव के पुजारी पापहारी प्रज्ञावान हैं।
विष्णु अवतारी देहधारी मूर्तिमान हैं।।

मिलते रहेंगे हल राम को प्रणाम के।।
बनेंगे जरूर काम - धाम बिना दाम के।।
बिना भेद भाव "प्राण" बिना रोक थाम के।।
राम के रहोगे तो रहोगे प्यारे काम के।।
राम के नहीं हो तो नहीं हो किसी काम के।।

डॉ गिरेंद्र सिंह भदोरिया "प्राण"